2 पुष्प की अभिलाषा

सुरबाला	गूँथ(ना)	बिंध(ना)	सम्राट	शीश
मातृभूमि	बनमाली	इठलाऊँ	भाग्य	पथ

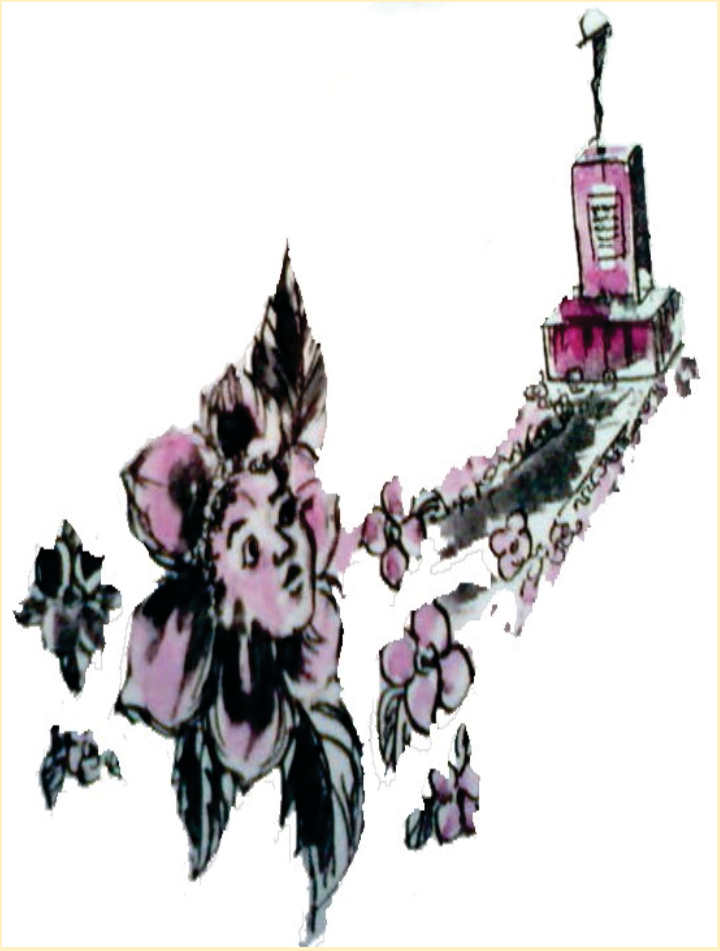

चाह नहीं, मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ।
चाह नहीं प्रेमी–माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ।
चाह नहीं, सम्राटों के शव
पर, हे हरि, डाला जाऊँ।
चाह नहीं देवों के सिर पर
चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ।
मुझे तोड़ लेना, बनमाली।
उस पथ में देना तुम फैंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।

अभ्यास

1. उत्तर लिखें:

क) पुष्प को किन बातों की चाह नहीं?

ख) पुष्प बनमाली से क्या अभिलाषा प्रकट करता है?

ग) इस कविता की कुछ पंक्तियों के आरंभ में कौन सा शब्द बार–बार दुहराया गया है ?

उद्देश्य – पाठ–बोध तथा प्रत्यास्मरण।

2. पाठ की उन पंक्तियों को लिखें जिनमें निम्न भाव आए हैं:–

क) मैं यह नहीं चाहता कि मुझे कोई सुंदर स्त्री अपने गहनों में गूँथ ले।

ख) मुझे तोड़कर किसी सम्राट के मृतशरीर पर नहीं चढ़ाया जाना चाहिए।

ग) मेरी इच्छा है कि मुझें उस पथ पर फ़ैंका जाए जिस पर वीर अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए जाएँ।

उद्देश्य – पाठ–बोध।

3. भाव स्पष्ट करें:–

मुझे तोड़ लेना, बनमाली।
उस पथ में देना तुम फैंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।

उद्देश्य – पाठ–बोध।

4. पूरा करें:–

क) चाह नहीं प्रेमी–माला में .....

ख) चाह नहीं देवों के सिर पर .....

ग) मातृभूमि पर शीश चढ़ाने .....

उद्देश्य –प्रत्यास्मरण।

5. सत्य कथन के आगे ✓ और गलत कथन के आगे ✗ का चिह्न लगाएँ:–

क) फूल की चाह है कि वह अप्सरा के गहनों में गूँथा जाए। ☐

ख) फूल की चाह है कि उसे सम्राटों के शवों पर चढ़ाया जाए। ☐

ग) फूल की चाह है कि बनमाली उसे न तोड़े। ☐

घ) फूल की चाह है कि वह वीरों के चरणों का स्पर्श करे। ☐

उद्देश्य – सही और गलत का विवेक।

6. इस कविता से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? संक्षेप में लिखें :–

उद्देश्य – रचनात्मक अभिव्यक्ति।

7. अपने चाचा जी को पत्र लिखें, जिसमें यह बताया गया हो कि आप देश की सेवा किस प्रकार करना चाहते हैं।

उद्देश्य – रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

8. प्रस्तुत पाठ राष्ट्र–प्रेम को उजागर करता है। अध्यापक की सहायता से राष्ट्र–प्रेम से संबंधित कोई कविता लें तथा कक्षा में उसका सस्वर वाचन करें।

उद्देश्य – योग्यता विस्तार।

श्ज्ञब्दार्थ :–

गहना	–	ज़ेवर	शव	–	मुर्दा शरीर
सम्राट	–	बड़ा राजा	शीर्ष	–	सिर
पथ	–	रास्ता	अनेक	–	एक से अधिक

सुरबाला – स्वर्ग की सुंदरी, अप्सरा

उद्देश्य – शब्दार्थ–ज्ञान।